बदलती राहें

Gunjan

वर्ष 01, अंक 23
धर्मशाला, सोमवार, 03 अगस्त 2015

नशानिवारण के लिए मनोवैज्ञानिक चिकित्सा होती है अहम

नशे की लत का इलाज एक लंबी समयावधि की प्रक्रिया होती है। इसमें शराब की लत के आदि व्यक्ति के इलाज के दौरान विभिन्न प्रकार की मनोवैज्ञानिक चिकित्सा विधियां तैयार की जाती हैं। इसी के माध्यम से कैंप के दौरान इलाजरत मरीज को निरंतर शराब मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित किया जाता है। इससे उसे एक स्थिर व्यक्तित्व के साथ-साथ सामाजिक कामकाज में भी मदद मिलती है।

शिविर इलाज के विशिष्ट लक्ष्य

जीवन में पूर्ण संयम प्राप्त करने के लिए मरीज की सहायता करना। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सुधार लाने के लिए मरीज की सहायता करना। इसमें शारीरिक व मानसिक स्वस्थता, परिवार, पारस्परिक संबंध और वित्तीय स्थिति शामिल है।

मनोचिकित्सा के घटक:

1. शारीरिक कसरत
2. प्रार्थना
3. दिन का विचार
4. शैक्षणिक सत्र
5. गतिविधियां
6. सामुहिक चिकित्सा
7. परामर्श
8. ठीक हो रहे मरीजों के विचारों का आदान-प्रदान
9. कहानी सत्र
10. मजेदार खेल

नशानिवारण कैंप के दौरान दस प्रकार की मनोवैज्ञानिक गतिविधियां जरूरी

1. शारीरिक कसरत: कैंप के दूसरे दिन से दो प्रकार की शारीरिक कसरतों से शुरुआत की जाती है। मेजबान संगठन का संचालक या स्वयंसेवी इस सत्र का आयोजन कर सकता है। इसका मकसद मरीजों में सब कुछ ठीक होने की भावना पैदा करना होता है। इससे उन्हें सामान्य हालात में आने में सहायता मिलती है।

2. प्रार्थना: शराब की लत से छुटकारा पाने के इरादे के पीछे धार्मिक भावना भी शामिल होती है। मरीज में ईश्वर के प्रति विश्वास को मजबूत करने और उसे ईलाज के लिए अतिरिक्त सहायता उपलब्ध करवाने के लिए प्रत्येक दिन दो प्रार्थना सभाओं का आयोजन किया जाता है। एक प्रार्थना सभा सुबह और दूसरी शाम के समय की जाती है। इसमें मरीजों को उनके धर्म व मान्यता के अनुसार उनके इष्ट की प्रार्थना करवाई जाती है। प्रार्थना सभा का आयोजन स्वयं मरीजों के द्वारा ही किया जाता है। प्रार्थना सभा किसी एक धर्म पर केंद्रित नहीं होती। इसमें धार्मिक गीत गाए जाते हैं।

3. दिन का विचार: प्रत्येक दिन एक विचार या संकल्पना को लेकर इसकी शुरुआत की जाती है। इसकी शुरुआत एक कहानी, शैक्षणिक सत्र, गतिविधियों और ग्रुप थैरेपी के दौरान की जाएगी। दिन के विचार को एक कहानी के माध्यम से व्यक्त किया जाता है। यह मूल्यों को व्यक्त करने का एक प्रभावशाली तरीका होता है। जैसा कि परिवार की देखभाल करना, कठीन परिश्रम का महत्व, ईश्वर पर विश्वास करना, बचत करने का महत्त्व और इसी प्रकार के कई विचार शामिल होते हैं।

दन के विचार पर चरचा के दौरान मरीजों को गोल घेरे में बिठाया जाता है। एक मरीज प्रार्थना पढ़ता है। एक काऊंसलर कहानी सनुता है और बाकी काऊंसलर इसमें कुछ और जरूरी तथ्य जोड़ते हैं। प्रत्येक मरीज को उसके नाम से पुकारा जाता है और वे कहानी से जुड़े अपने विचार सांझा करते हैं। मरीजों को सिर्फ उनके अपने बारे में बात करने को प्रेरित किया जाता है। इस बैठक के समापन पर प्रार्थना की जाती है और कुछ समय के लिए ध्यान मुद्रा में बैठते हैं। दिन का विचार मरीजों को एक-दूसरे की भावनाओं को जानने का अवसर मुहैया करवाता है। इससे उन्हें उचित टिप्पणी के जरिये अपने दिन की शुरुआत करने में सहायता मिलती है।

4. शैक्षणिक बातचीत: कैंप के दौरान शैक्षणिक सत्र शराब की लत से जुड़े कई पहलुओं के बारे में स्पष्ट सूचना मुहैया करवाता है। साथ ही इसमें सकारात्मक बदलाव की आवश्यकता पर भी जोर दिया जाता है। इसमें सरल भाषा का इस्तेमाल किया जाता है और सामाजिक व सांस्कृतिक प्रसंग से जुड़े ऐसे उदाहरण लिए जाते हैं, जिनसे मरीज परिचत होता है।

मरीजों के साथ शैक्षणिक परिचर्चा प्रत्येक दिन की जाती है। इसमें उनके परिजनों को भी 45 मिनट के लिए शामिल किया जाता है। यह सत्र परस्पर संवादात्मक होना चाहिए। इसमें शराब की लत के शिकार मरीजों को आने वाली समस्याओं और इन समस्याओं से निपटने की प्रोक्टिकल गाइडलाइन्स के बारे में चरचा होती है।

5. गतिविधियां: काऊंसलर की अगुवाई में गतिविधियों को आयोजन एक घंटे तक होता है। सुबह के सत्र में गतिविधियों का आयोजन होता है। यह इस बात का प्रतिबंब होता है कि उन्होंने क्या सीखा है। इससे उन्हें अवधारणाओं को लागू करने और आवश्यक बदलाव करने की आवश्यकता को अनुभव करने का अवसर मिलता है।

6. सामुहिक चिकित्सा/ ग्रुप थैरेपी: इस प्रक्रिया में काऊंसलर मरीजों के समुह को निर्देशित करता है। ग्रुप थैरेपी मरीजों को एकल अवसर मुहैया करवाती है। इसमें मरीजों से बाकी मरीजों के सामने उनकी नशे की लत और इससे होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में चरचा की जाती है। इससे उन्हें शराब के सामने अपनी शक्तिहिनता को समझने में मदद मिलती है। विचारों को बांटने के चलते उन्हें शर्म की भावना व गलती की स्थिति से निपटने में भी मदद मिलती है। साथ ही इससे उन्हें सामाजिक कौशल प्राप्त करने का अवसर भी मिलता है।

7. व्यक्तिगत परामर्श: व्यक्तिगत परामर्श का उद्देश्य मरीज को अपने लक्ष्य की प्राप्ती के लिए पूर्ण संयम बरतने में सहायता करता है। इससे उसे इस बात का भी एहसास होता है कि शराब की लत के कारण उसे अपने जीवन के हर क्षेत्र में किस प्रकार से नुकसान उठाना पड़ा है। इससे उसे अपने गुस्से की भावना, अकेलापन, भय व शर्म की भावनाओं को व्यक्त करने में मदद मिलती है। उसे रिकवरी से जुड़े शार्ट टर्म व लांग टर्म लक्ष्यों को प्राप्त करने का मार्गदर्शन मिलता है। साथ ही उसे कैंप के बाद फालोअप की जरूरत का भी पता चलता है।

8. ठीक हो रहे मरीजों के विचारों का आदान-प्रदान: कैंप में उन मरीजों को पत्र भेज कर आमंत्रित किया जाता है, जो पिछले एक साल से ठीक हालत में चल रहे हैं। ये पुराने मरीज मौजूदा कैंप में इलाजरत मरीजों को अपने अनुभव व विचारों से अवगत करवाते हैं। वे नए मरीजों से अपने ठीक होने के अुनभव सांझा करते हैं। वास्तव में वे नए मरीजों के लिए एक जीवित साक्ष्य के तौर पर काम करते हैं। इनके अनुभवों व दिक्कतों के जरिये नए मरीजों को आगे बढ़ने की प्रेरणा व उनसे बेहतर करने का साहस मिलता है।

9. मूल्य आधारित कहानियां सुनाना: छोटी-छोटी कहानियां या उपाख्यान गांवों के दिमाग में एक न मिटने वाली छाप छोड़ जाते हैं। मूल्यों पर आधारिक कहानियां जैसे ईमानदारी, ईश्वर पर भरोसा रखना और परिवार की चिंता करना काऊंसलर द्वारा सुनाई जाती हैं। इससे मरीजों को सकारात्मक गुण विकसित करने में मदद मिलती है।

10. खेलें: मरीजों में एकजुटता पैदा करने और उनमें सीखने की भावना पैदा करने के लिए मजे व आनंद से परिपूर्ण खेलों का आयोजन किया जाता है। इससे उनमें मौजूद प्रतिभा का पता चलता है।

सीएससी की मदद से बचा एचआईवी के कारण बिखरता परिवार

- पेशे से चालक राज अपने साथ पत्नी को कर चुका था प्रभावित
- दो बच्चों सहित खुद के गुजारे लायक नहीं बचा था काम
- जब किसी की मदद न मिली तो सीएचसी ने दिलवाई नौकारी

पेशे से ड्राइवर राज (काल्पनिक नाम) के विवाहित जीवन को उस समय ग्रहण लग गया, जब उसे एक ऐसी बीमारी ने घेर लिया। जब काफी ईलाज करने के बावजूद उसकी यह बीमारी काबू में नहीं आई तो डाक्टर ने उसे अपना एचआईवी टैस्ट करवाने को कहा। जब यह टैस्ट किया गया तो इसकी रिपोर्ट पाजिटिव आई। अब वह और डाक्टर समझ चुके थे कि उसकी यह लाइलाज बीमारी एचआईवी वायरस के कारण थी। इस बात का पता चलते ही राज के होश उड़ गए। उसे कुछ समझ नहीं आ रहा था कि अब क्या करे।

इस बात का पता चलते ही उसे अपने परिवार की चिंता सताने लगी। उसने तुरंत कोई देर किए बिना अपनी पत्नी और दो बच्चों का एचआईवी टैस्ट करवाया। इसकी रिपोर्ट मिली तो उसे और निराश हुई, क्योंकि उसकी पत्नी भी एचआईवी वायरस का शिकार बन चुकी थी। हालांकि उसके लिए राहत वाली खबर यह थी कि उसके दोनों बच्चे एचआईवी नेगेटिव पाए गए।

अब दोनों पति-पत्नी के लिए अपने बच्चों का सहारा बनने और हिम्मत से परिवार चलाने के सिवाय कोई दूसरा रास्ता नहीं था। राज अपने साथ अपनी पत्नी के एचआईवी पाजिटिव होने की खबर के बाद से टूट सा गया था। इसके बादे दोनों ही खुद को समाज से अलग महसूस करने लगे और अपने रिश्तेदारों व पड़ोसियों से कटे-कटे से रहने लगे। इसके बाद राज ने अपने नौकरी भी छोड़ दी थी, क्योंकि उसका स्वास्थ्य ठीक नहीं चल रहा था। उसमें कुछ करने की हिम्मत ही जवाब दे चुकी थी। इसके कारण इस परिवार के लिए रोजीरोटी की समस्या पेश हो गई थी।

मुसीबत की इस घड़ी में किसी ने उनका साथ नहीं दिया। इस कारण वे अकेले अंदर ही अंदर घुटने लगे। बीमारी के साथ-साथ आर्थिक तंगी के चलते परिवार बिखरने की हालत में था। इस बीच जब वे एआरटी सेंटर में अपनी दवाई लेने आए तो वहां मौजूद कम्युनिटी केयर सेंटर के कर्मचारी से उनकी मुलाकात हुई।

वह उन्हें सीएचसी ले गया और वहां उनकी काऊंसलिंग शुरू की। इस दौरान उसने इन दोनों की समस्या को समझा और उनका हौसला बढ़ात हुए हिम्मत न हारने की सलाह दी। साथ ही उन्हें हर प्रकार की मदद का भरोसा दिलाया गया। सीएचसी के काऊंसलर ने उसकी सबसे बड़ी समस्या रोजगार का साधन तलाशते हुए राज को एक निजी संस्थान में चालक की नौकरी दिलवा दी।

इसके कारण वह फिर से रोजगार कमाने लगा और उसकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ। इसके चलते उसमें और उसकी पत्नी में आत्मविश्वास लौट आया। अब वे अपने परिवार की हर दिक्कत का मुकाबला करने को तैयार थे। सीएससी की मदद से दोनों में फिर से जीने की हिम्मत आई और धीरे-धीरे उनके हालात पहले से कहीं बेहतर होने लगे। इस बीच राज ने अपनी पत्नी को दो गायें ले दीं। अब उसकी पत्नी भी घर के कामकाज के अलावा दूध बेचकर खर्चा निकालने लगी। इस तरह सीएससी के छोटे से प्रयास से यह परिवार टूटने से बच गया।

डायबिटीज एवं उच्च रक्तचाप, बेहतर इलाज उपलब्ध है आयुर्वेद में

डायबिटीज एवं उच्च रक्तचाप दोनों ही शरीर के अंगों को नुकसानन पहुंचाते हैं। जहां डायबीटीज में किडनी, आंखें एवं पांवों को खतरा होता है, वहीं उच्च रक्तचाप में हृदय, दिमाग आदि को खतरा होता है।

इन दोनों ही बीमारियों के इलाज में न सिर्फ ग्लूकोज एवं रक्तचाप को नियंत्रित करने की जरूरत होती है बल्कि ऊपर लिखे अंगों की रक्षा करना भी आवश्यक है। रेजरबिल कम्पनी के रिसर्च डायरेक्टर डॉ. एम पी शर्मा आयुर्वेदिक औषधियों द्वारा मरीजों को लाभ पहुंचा रहे हैं। उनके द्वारा दी गई औषधियों से डायबिटीज के वे मरीज जिनकी शुगर फास्टिंग 170 और क्क्क 320 रहती थी, पूरी तरह नियंत्रण में आ गई वो भी बिना किसी साईड इफेक्ट के। जिन मरीजों का रक्तचाप 270/100 रहता था उनका रक्तचाप भी पूरी तरह नियंत्रण में आ गया।

डायबीटीज के लिए डॉ. एम. पी. शर्मा का कहना है कि आयुर्वेदिक औषधियां न सिर्फ ब्लड शुगर नियंत्रित करने में मदद करती हैं, बल्कि जिन अंगों को नुकसान होने की सम्भावना होती है उनका भी बचाव करती है। उनके द्वारा दिए जाने वाले मिश्रण में महत्वपूर्ण औषधियां होती हैं जो इलाज में खासा असर डालती हैं और मिल कर इंसुलिन के अधिक स्रवण को बढ़ाती हैं, पैंक्रियाज को रिपेयर करनें में और मेटाबोलिक रेट बढ़ा कर ग्लूकोज के अवशोषण में मदद करती हैं।

उच्च रक्तचाप के लिए डॉ. शर्मा कहते है कि वे बड़े ही ध्यान से मरीजों का इलाज करते हैं और चुनी हुई एवं प्रमाणित औषधियों का इस्तेमाल करते हैं। ये औषधियां लिवर, हृदय, आंखें, किडनी की सुरक्षा कर उनके जीवन में वृद्धि करती हैं और दिमाग को शांत एवं स्ट्रेस को कम कर उच्चरक्तचाप को नियंत्रित करती हैं। ये केटोकोलामिन्स और रक्त में कोलेस्ट्रॉल एवं ट्राईग्लिसराईड को कम करती हैं और नींद भी अच्छी आती है।

रोमांच से भरपूर रोजगार की गारंटी देता एडवेंचर स्पोर्ट्स

क्या आप एडवेंचर स्पोर्ट्स की चाहत में कुछ भी छोड़ सकते हैं? क्या आप प्रकृति के करीब रहना पसंद करते हैं? अगर इन सवालों का जवाब आपकी ओर से 'हां' है, तो आप एडवेंचर स्पोर्ट्स की दुनिया में अपने लिए बेहतर करियर तलाश सकते हैं। घरेलू पर्यटन में वृद्धि होने की वजह से एडवेंचर स्पोर्ट्स के पेशेवरों की मांग में भी कई गुना का इजाफा हुआ है। इसके अलावा नेशनल जियोग्राफिक, डिस्कवरी, एएक्सएन और एनिमल प्लेनेट जैसे चैनल सामान्य यात्राओं की बजाए रोमांच से भरपूर यात्राओं पर जाने वाले पर्यटकों को विशेष लाभ भी मुहैया कराते हैं।

क्या है एडवेंचर स्पोर्ट्स

इसे एक्शन स्पोर्ट्स, ऐग्रो स्पोर्ट्स और एक्सट्रीम स्पोर्ट के नाम से भी जाना जाता है। इसके दायरे में वह गतिविधियां (खेल संबंधी) शामिल होती हैं, जिनमें बड़े खतरे अंतर्निहित होते हैं। इन गतिविधियों में गति, उच्च स्तर के शारीरिक दमखम और विशेष कौशल की दरकार होती है।

कई तरह के एडवेंचर स्पोर्ट्स

इन खेलों को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है- एअर स्पोर्ट्स, लैंड स्पोर्ट्स और वॉटर स्पोर्ट्स। खेलों की इन श्रेणियों में ढेर सारे खेल शामिल हैं, इनमें से कुछ प्रमुख हैं-

एअर स्पोर्ट्स : बंजी जंपिंग, पैराग्लाइडिंग, स्काई डाइविंग और स्काई सर्फिंग आदि।

लैंड स्पोर्ट्स : रॉक क्लाइम्बिंग, स्केट बोर्डिंग, माउंटेन बाइकिंग, स्कीइंग, स्नो बोर्डिंग और ट्रैकिंग आदि।

वाटर स्पोर्ट्स : स्कूबा डाइविंग, व्हाइट वाटर राफ्टिंग, कायकिंग, केनोइंग, क्लिफ डाइविंग, स्नॉर्केलिंग और याट रेसिंग आदि।

जरूरी गुण

-रोमांच से लगाव हो
-शारीरिक मजबूती और मानसिक दृढ़ता हो
-जोखिम उठाने की क्षमता हो
-टीम संग मिलकर काम करने की कुशलता हो
-काम के प्रति निष्ठा और जिम्मेदार रवैया हो
-फर्स्ट एड की मूलभूत जानकारी के अलावा कम्पास और नक्शों को पढ़ने का ज्ञान हो
-अलग-अलग संस्कृतियों से जुड़े लोगों से समन्वय करने में दक्षता हो
-साहस और निडरता हो
-अपने खेल के तकनीकी पक्षों की गहरी जानकारी हो

रोजगार के मौके

एडवेंचर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में सबसे ज्यादा रोजगार एडवेंचर स्पोर्ट्स कंपनियां देती हैं। हालांकि इस क्षेत्र में कार्यरत लोगों के पास काम में बदलाव करके भी रोजगार और अपनी पेशेवर रुचि को बरकरार रखने का विकल्प होता है। वह स्कूलों के साथ मिलकर छात्रों के लिए आउटडोर एजुकेशन प्रोग्राम संचालित कर सकते हैं, तो पर्सनल ट्रेनर और कैजुअल टूर गाइड के रूप में भी कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा वह अपनी निजी एडवेंचर स्पोर्ट्स कंपनी भी शुरू कर सकते हैं। कुछ लोग तो इस क्षेत्र में काम करने के लिए दुनिया की सैर करने का विकल्प भी चुनते हैं।

प्रमुख रोजगार प्रदाता

-एक्सकर्शन एजेंसियां, हॉलिडे रिजॉर्ट्स
-लीजर कैम्प्स, कमर्शियल रीक्रिएशन सेंटर्स
-एडवेंचर स्पोर्ट्स सेंटर्स, ट्रैवल एंड टूरिज्म एजेंसियां, एजुकेशनल इंस्टीटयूट
-कोचिंग इंस्टीटयूट

इन भूमिकाओं में मिलेगा काम

-एडवेंचर स्पोर्ट्स इंस्ट्रक्टर, एडवेंचर स्पोर्ट्स एथलीट, आउटबाउंड ट्रेनिंग फेसिलिटेटर एंड ट्रेनर, एडवेंचर स्पोर्ट्स फोटोग्राफर, एडवेंचर टूरिज्म फैसिलिटेटर, एडवेंचर कैंप काउंसलर, एक्स्ट्रीम स्पोर्ट्स स्पेशलिस्ट, वाटर एंड एरो स्पोर्ट्स स्पेशलिस्ट, ट्रैकिंग एंड माउंटेन गाइड, एडवेंचर टूर गाइड 'कैंप नर्स, सफारी गाइड, वाइल्डलाइफ एंड ट्रैवल फोटोग्राफर : समर कैंप काउंसलर

एडवेंचर स्पोर्ट्स पेशेवरों का काम

ये पेशेवर भौगोलिक दृष्टि से उन क्षेत्रों की तलाश करते हैं, जहां एडवेंचर स्पोर्ट्स की संभावना हो। इसके साथ ही वह उस क्षेत्र में खेल से जुड़े जोखिमों का आकलन भी करते हैं। इन कार्यों को करने के बाद वह खेल गतिविधियों को संचालित करने का प्रारूप तैयार करते हैं और संभावित खतरों से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन की कार्ययोजना भी बनाते हैं। वह किसी एडवेंचर स्पोर्ट्स में शामिल गतिविधियों के लिए आवागमन का मार्ग तय करते हैं और अन्य जरूरी तैयारियों में मदद करते हैं। इसी तरह इन खेलों के लिए आयोजित होने वाले शिविरों में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों को वह खेल की सही तकनीकों और जरूरी कौशल की जानकारी देते हैं। एडवेंचर स्पोर्ट्स की हर गतिविधि से सीधे जुड़े होते हुए भी उन्हें प्रशिक्षण और कैंपिंग शिविरों से संबंधित प्रशासकीय कार्य भी करने पड़ते हैं। यह पेशा देखने में भले ही बेहद रोमांचक हो, लेकिन असल जिंदगी में यह काफी चुनौतीपूर्ण है। इसके पेशेवरों को हमेशा जोखिम उठाते हुए जिंदगी की महीन डोर के सहारे चलना पड़ता है। उन्हें कई बार घबराए हुए और कई बार उत्साही क्लाइंटों को संभालने की जिम्मेदारी भी उठानी पड़ती है।

योग्यता

-एडवेंचर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में बतौर पेशेवर काम करने के लिए किसी विषय के साथ बारहवीं या बैचलर डिग्री प्राप्त होना पर्याप्त है। इस योग्यता के आधार पर एडवेंचर स्पोर्ट्स में डिप्लोमा या डिग्री पाठ्यक्रम संचालित करने वाले संस्थानों में प्रवेश लिया जा सकता है। इन संस्थानों में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद आसानी से रोजगार प्राप्त किया जा सकता है।
-इसके अलावा शारीरिक रूप से मजबूत और स्वस्थ होना भी आवश्यक होता है।
-इस पेशे में जल आधारित खेलों के लिए तैराकी में निपुण होना जरूरी होता है।
-अंग्रेजी और किसी एक विदेशी भाषा में दक्ष होना भी इस पेशे में मददगार होता है।

संबंधित संस्थान

हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीटयूट, दार्जिलिंग
नेहरू इंस्टीटयूट ऑफ माउंटेनियरिंग, उत्तरकाशी
जवाहर इंस्टीटयूट ऑफ माउंटेनियरिंग, जम्मू और कश्मीर
विंटर स्पोर्ट्स स्कीइंग सेंटर, कुल्लू
रीजनल माउंटेनियरिंग सेंटर, मैक्लोडगंज
हिमालयन एडवेंचर इंस्टीटयूट, मसूरी

विधायक के नशे के खिलाफ अभियान को गुजन का सलाम

धर्मशाला। केंद्रिय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहयोग से जिला में नशे के खिलाफ अभियान चला रही संस्थाओं को उस समय एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी, इस अभियान के साथ हिमाचल प्रदेश सरकार के मुख्य संसदीय सचिव एवं सुलह के विधायक जगजीवन पाल भी जुड़ गए। उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र में नशे के खिलाफ अभियान छेड़ने का ऐलान किया है। उन्होंने अपने अभियान की शुरुआत जागरूकता से करते हुए दो टूक कहा है कि नौ अगस्त के बाद सुलह विस क्षेत्र में कोई भी नशे का अवैध कारोबार नहीं कर सकेगा। इसके अलावा उन्होंने यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ भी अभियान छेड़ रखा है।

विधायक जगजीवन पाल के इस अभियान का सभी समाजसेवी संस्थाओं ने स्वागत करते हुए इसमें भरपूर सहयोग की भी पेशकश की है। गुंजन संस्था के निदेशक संदीप परमार ने सीपीएस एवं विधायक जगजीवन पाल के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि उनके इस योगदान से प्रदेश को नशामुक्त करने के अभियान को बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि संस्था उनके इस अभियान को भरपूर सहयोग को तैयार है।

ज्ञात रहे कि सुलह के विधायक एवं सीपीएस जगजीवन पाल ने सुलह विस को नशा मुक्त को लेकर सख्त कदम उठाए हैं। उन्होंने इस अभियान को नाम दिया है, 'नशे के सौदागरों सुलह छोड़ो'। इस अभियान के तहत वह न तो सुलह में नशे का अवैध कारोबार होने देंगे और न ही यातायात नियमों की अवहेलना। इस अभियान को सफल बनाने के लिए नौ अगस्त को भवारना में जिला व उपमंडल के सभी अधिकारियों, सुलह विस के पंचायत प्रधान, स्कूल प्रधानाचार्यों, मुख्याध्यापकों व अन्य लोगों की बैठक होगी। जबकि इसी दिन सुलह विस में सभी सरकारी व गैर सरकारी स्कूल खुले रहेंगे।

उन्होंने कहा कि लाइसेंस वाले ठेके पर भी खुला पैग नहीं बेचने दिया जाएगा। गांवों में अवैध नशे का कारोबार करने वाले लोग इस धंधे को छोड़ दें। अन्यथा, नौ के बाद कार्रवाई होगी। सुलह विस को नशा मुक्त करने के लिए सुलह विस की सीमाओं पर होर्डिंग्स लगाए जाएंगे। इससे बाहर से आने वाले लोगों को पता चल सकेगा कि यहां नशा या यातायात नियमों की अवहेलना न हो।

आई.ई.सी. मेटिरियल डवेलप्मेंट - पोस्टर श्रृंखला

सत्यमेव जयते
Ministry of Social Justice
& Empowerment

Gunjan
Organisation for Community Development

INSTITUTE OF SOCIAL DEFENCE NISD

Gunjan Organisation for Community Development° Regional Resource & Training Centre North - II, Tapovan Road, Tehsil-Dharamshala, Distt. Kangra (H.P.) - 176057
Phone : 91-1892-235315, 208255, 9459082624, Email: rrtcnorth.hp@gmail.com, Website: www.gunjanindia.org